[श्री प्यारेलाल खण्डेलवाल]

राम की जन्म भूमि दोनों पर जो प्रतिबन्ध लगाये गये हैं उनको हटाये और वहां के ताले खोले और सरकार को ये दोनों ही स्थान हिन्दुओं के सपुर्द कर उनकी धार्मिक भावना का आदर करना चाहिए, यह मेरी सरकार से मांग है ।

REFERENCE TO THE REPORTED STATEMENTS OF SOME LEADERS OF JANTA PARTY ACCUSING THE CRPF FOR KILLINGS IN PUNJAB

श्री सतपाल मित्तल (पंजाब) : महोदय, आपने कल और परसों के अखबारों नेशनल प्रेस में देखा होगा कि जनता पार्टी के कुछ बड़े नेता श्री गोरे और श्री जोशी पिछले दिनों गोल्डन टेम्पल गये । वहां जाकर उन्होंने अकाली नेताओं से मुलाकात की, खासतौर पर भिंडरावाले जी से और दूसरे लोगों को जाकर मिले और मिलने के बाद उन्होंने प्रेस में स्टेटमेंट दिया । यह स्टेटमेन्ट जो अखबारों में छपा है उसको पढ़ कर हम देशभक्त जो हैं वह परेशान हैं । गोरे जी ने अपने स्टेटमेंट में इस बात का जिक्र किया कि हमने गोल्डन टेम्पल में किसी एक्स्ट्रीमिस्ट को नहीं देखा, किसी टेररिस्ट को नहीं देखा । जनरेल सिंह भिंडरावाले बड़े अमन चाहने वाले धार्मिक नेता है । जब किसी अखबार नवीश ने उनसे पूछा कि यह जो हिन्दू और सिख निहत्थे और बेकसूर मारे जा रहे हैं उनको कौन मार रहा है तो उन्होंने रिटार्ट करते हुए कहा कि सी० आर० पी० एफ० कर रही है । इस प्रकार का गैर-जिम्मेदाराना स्टेटमेंट उन्होंने दिया । मैं आपके माध्यम से पूछना चाहता हूं कि 16 साल का जो बच्चा मारा गया, अपने बाप को बचाते बचाते उसने अपने प्राण दे दिये वह भी क्या सी० आर० पी० एफ० ने मारा? गोल्डन टेम्पल के सामने चाय की दुकान पर बैठने वाला, चाय बेचने वाला आदमी, जिसकी दुकान पर पिछले दिनों पहले कत्ल हुआ, वह चाय पीने गया था जब कत्ल हुआ, उसको भी मार दिया गया । सोढ़ी का जो कातिल है, क्या उसको भी सी०आर०पी०एफ० ने मार दिया है ? गोल्डन टेम्पल जो हमारा सब से पवित्र स्थान है जिसकी हम पूजा करते हैं, जिसका सम्मान और प्रतिष्ठा सारे संसार भर में मशहूर है उसकी जब सफाई की जाती है उसके जो गन्दे नाले हैं उन में से लाशें निकलती हैं तो क्या इन हत्याओं का भी सी०आर०पी०एफ० वालों से ताल्लुक है । इस किसम की गैरजिम्मेदाराना स्टेटमेंट ऐसे जिम्मेदार आदमी के मुंह से आना बहुत ही चिन्ताजनक बात है । उन्होंने यही नहीं कहा है बल्कि यह भी कहा है हरबंस सिंह मनचन्दा को दिल्ली में मार दिया गया ; श्री वी० एन० तिवारी को मार दिया गया; मैं उस समय जेनेवा में आई०पी०यू० कान्फ्रेंस में भाग लेने गया हुआ था वहां पर स्पीकर साहब के नेतृत्व में हम सब गये थे। वहां पर हमारे साथ भारतीय जनता पार्टी के नेता श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी भी थे। सुबह जब मैंने बताया कि इस प्रकार की घटना हो गई है तो मैंने पहला शब्द यह कहा कि उनकी मृत्यु हो गई, उनका कत्ल हो गया है कहीं किसी हिन्दू फंडामेंटलिस्ट ने शायद कर दिया हो । यह मेरा पहला रियेक्शन था । क्योंकि जो हमारे भाई मारे गये उनको पंजाबी के साथ, पंजाबियत के साथ, पंजाबी कल्चर के साथ इतनी गहरी वाबस्तगी थी । वे बार बार इंटरनेशनल कान्फ्रेंसेज कर के कहते थे कि पंजाबी के साथ पूरा न्याय होना चाहिये, पंजाबी कल्चर के साथ, पंजाबी सभ्यता के साथ, पंजाबी संस्कृति के साथ इन्साफ होना चाहिये । इसलिए मेरा पहला रियेक्शन था कि उनको किसी हिन्दू रियेक्शनरी ने मार दिया होगा । इससे बड़ी शर्म की बात और क्या हो सकती है कि पंजाबी से प्यार करने वाले, पंजाबियत से प्यार

करने वाले को टेरोरिस्ट घर में आ कर के मार जाएं? क्या यह भी सी०आर०पी०एफ० वालों ने मारा? इस किस्म की गैर-जिम्मेदाराना स्टेटमेंट दिया जाना हमारे ख्याल में देशद्रोहिता है। यह कहना कि किसी फारेन ताकत का इसमें हाथ नहीं है, देखते हुए मानते हुए कि यहां कुछ अखबारनवीस फोटो लेने वाले दूसरे लोग अमरीका के लोग मौजूद हैं गोल्डन टेम्पल में वे भी भिंडरावाले से कहते हैं कि आप जब सिखों के आखिरी नेता बन गये सब से ऊंचे स्थान पर हैं अब आपका क्या प्रोग्राम है। वो देखते है उनकी आखों के सामने उनको इस्तेमाल दिया जा रहा है, भड़काया जा रहा है तब भी वो कहते है कि यू०एस०ए० या दूसरी साम्राज्य-वादी ताकतों का इसमें हाथ नही है। डिप्टी चेयरमैन साहब, मैं यह कहना चाहता हूं कि यह बड़ी गहरी साजिश है। यह कोई मामूली वाकया नहीं है। एक पार्टी के नेता का चार दिन जा कर के भिंडरावाले के पास रहना और फिर चार दिन संत लौंगोवाल के पास रहना और फिर यहां आ कर स्टेटमेंट देना जिससे यह लगे कि ये लोग बड़े मासूम हैं और सारे कामों के लिए केवल सरकार ही जिम्मे-दार है यह एक गहरी साजिश है उन लोगों की। मैं यह कहना चाहता हूं आपके माध्यम से अभी चंद रोज पहले कुछ महीने पहले दो नेता जार्ज फर्नेन्डीज और बीजू पटनायक गये। वे जा कर के पाकि-स्तान के सदर से मिले। पाकिस्तान के राष्ट्रपति से मिलने के बाद उन्होंने कहा कि पकिस्तान से हिन्दुस्तान को कोई खतरा नहीं है और यह भी कहा कि पाकिस्तान कोई आर्म्स या एम्युनीशन टेरोरिस्ट को नहीं दे रहा है, पाकिस्तान कोई ट्रेनिंग नहीं दे रहा है, सारे संसार को पता है; हमारी प्रधानमंत्री और इन अपोजीशन के लोगों ने भी चिंता व्यक्त की थी इस हाउस में सारे हिन्दुस्तान भर में, सारे देश ने चिन्ता व्यक्त की थी कि अमरीका ने पाकिस्तान को जो हथियार दिये हैं जो असला दिया है जो खतरनाक हथियार वह पाकिस्तान को दे रहा है इससे देश की सुरक्षा को बहुत खतरा है। यह लोग जिसको अपना नेता मानते हैं इनके नेता मोरारजी देसाई यह कहते नहीं थकते हैं कि पाकिस्तान से हिन्दुस्तान को कोई खतरा नहीं है। यह आप अन्दाजा लगा-इये, यह एक बड़ी साजिश है और नेता जो हमारे देश को डिस्टेबलाइज करने के लिए अमरीका और दूसरी साम्राज्यवादी ताकतों के साथ हैं वे ताकतें हिन्दुस्तान को डिस्टेबलाइज करना चाहती हैं, हिन्दुस्तान को डिस्टेबलाइज करना चाहती हैं, यह हमारे इकोनोमिक, पोलिटिकल सिस्टम को डिस्टेबिलाइज करना चाहती हैं, सरकार को इन देशद्रोहियों को सजा देनी चाहिये। मैं चाहे वे पब्लिक लाइफ में कितने ही ऊंचे क्यों न हों मैं देशद्रोही कहूंगा जो इस वक्त टेरोरिस्ट, मासूम लोगों को मार रहे हैं, उनके मुतालिक अगर यह बात कहें कि इनका कोई कसूर नहीं है, यह मासूम हैं, इससे बड़ा एंटी नेशनल एक्ट नहीं हो सकता है। मैं सरकार से बहुत अदब से और जोर से कहना चाहता हूं और मैं चन्द्रशेखर जी से कहूंगा अगर वह पार्टी के प्रेजीडेंट हैं उन्होंने ट्राइपार्टाइट टाक में अकाली नेताओं के पूछने पर यह कहा है कि पुरानी स्टेटमेंट, पुराने रेज़ो-ल्यूशन की बात मैं नहीं करता, आडवाणी जी बैठे हैं, शायद बीच में बैठे हों, हमारे पास बहुत सी खबरें आई हैं। जिस तरह से मासूम लोगों को मारा जा रह है, घर बरबाद हो रहे हैं, बैंकों को लूटा जा रहा है, ऐसी सूरत में आपकी मूवमेंट एंटी-नेशनल मूवमेंट हो गई है। हम कोई सपोर्ट देने को तैयार नहीं हैं, मैं जनता पार्टी के प्रेजीडेंट को पूछना चाहता हूं

(श्री सत्यपाल मिलत)

इन लोगों को जनता पार्टी में जो मौजूद हैं वो निकाले गये या मैं यह समझूं कि पोलिटिकल परपजेज के लिए अकालियों के कुछ वोट सारे हिन्दुस्तान में दूसरे सूबों में लेने के लिए यह खतरनाक खेल खेल कर इन्सान के खून की कीमत चुकाई जा रही है । यह जो खेल है इसकी यह हाउस निन्दा करे और सरकार इसका सख्त से सख्त नोटिस ले, यह मैं आपके माध्यम से कहना चाहूंगा ।

श्री प्यारेलाल खंडेलवाल : यह बोलने के लिए आपने 10-12 मिनट दे दिये...

(व्यवधान)

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The other Special Mentions will be taken up after lunch.

सदन की कार्यवाही दो बजकर दस मिनट तक के लिए स्थगित की जाती है

The House then adjourned for lunch at eleven minutes past one of the clock.

The House reassembled after lunch at twelve minutes past two of the clock the **Vice-Chairman (Shrimati Margaret Alva)** in the Chair.

REFERENCE TO THE REPORTED SIGNING OF NUCLEAR CO-OPERATION AGREEMENT BETWEEN CHINA AND U.S.A.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI MARGARET ALVA): We shall continue with the Special Mentions. Yes, Mr. Satya Pal Malik.

श्री सत्यपाल मलिक (उत्तर प्रदेश) : महोदया, आजकल अमरीका के राष्ट्रपति चीन के दौरे पर हैं । उन्होंने अभी परसों चीन के साथ न्यूक्लियर कोआपरेशन एग्रीमेंट साइन किया है । यह अपने आप में बहुत खतरनाक एग्रीमेंट है और अमरीका की घोषित नीति के विरुद्ध है । हिंदुस्तान के हितों के लिए खतरनाक है और अमरीका तमाम जो अभी तक कहता रहा है, उसके उलट जाता है ।

अमरीका मे जो न्युक्लियर नान-प्रालिफरेशन एक्ट है, उसी के अनुसार अमरीका किसी ऐसे देश से न्युक्लियर ट्रेड का मुहायदा नहीं कर सकता है, जो देश किसी दूसरे देश को किसी तरह का न्युक्लियर डिवाइस बनाने या विकसित करने में सहायता देता हो । इस मामले में चीन पाकिस्तान को एटम बम बनाने में मदद कर रहा है, यह अमरीका जानता है । अमरीका ने आज से छह महीने पहले कोशिश की कि चीन कोई आश्वासन दे लेकिन उसने कोई आश्वासन नहीं दिया है और एटम बम बनाने के सिलसिले में किसी किस्म की कोई गारन्टी नहीं दी है।

अमरीका के जो मुख्य नेगोशिएटर थे, जिनका नाम है रिचर्ड केनेडी, उन्होंने जो अमरीका की फारेन रिलेशन कमेटी है, उसके सामने आज से छह महीने पहले यह कहा था कि हम चीन के साथ कोई न्युक्लियर एग्रीमेंट नहीं कर सकते क्योंकि चीन फलां-फलां शर्तें मानने के लिए तैयार नहीं है और यहां तक कि जो ईंधन इस्तेमाल किया जाएगा, उसको दुबारा प्रोसेसिंग करने की रेक्वेस्ट जो थी अमरीका की, वह भी चीन ने नहीं मानी । लेकिन अमरीका क्योंकि एक तो यह हमारी स्थिति को खराब करना चाहता है, हमारी सीमाएं चारों तरफ से सुलगी हुई हैं, अमरीका ने जो हमारा ट्राम्बे में अणुशक्ति केन्द्र है, उसका नक्शा, उसका डिज़ाइन, उसका लोकेशन, सारी जानकारी उसने पाकिस्तान को दी है ।

अमरीका इस बात को जानता है कि पाकिस्तान इस बात को तय किये हुए